



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कर्मयोगी सेवा भाव कार्यक्रम मंगलवार को

वर्धा, 13 अक्टूबर 2025 : वृहद रूप से समाज और हितधारकों के साथ जोड़ने के उद्देश से भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना 'राष्ट्रीय कर्मयोगी सेवा भाव कार्यक्रम' के अंतर्गत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में शैक्षणिक व शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए 14, 16, 29 एवं 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय कर्मयोगी सेवा भाव प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कड़ी में उद्घाटन कार्यक्रम मंगलवार 14 अक्टूबर को कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा के मार्गनिर्देशन में महादेवी वर्मा सभागार में प्रातः 09:00 बजे आयोजित किया जाएगा। इस दौरान मुख्य प्रशिक्षक के रूप में साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार, सॉफ्टवेयर एसोसिएट के. के. त्रिपाठी एवं सहायक संपादक डॉ. अमित कुमार विश्वास प्रशिक्षण देंगे।

विकसित भारत-2047 का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मियों को समाज से जुड़े विभिन्न आयामों को लेकर प्रशिक्षित किया जाएगा। जिससे वे विकसित भारत में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

हिंदी विद्यापीठात राष्ट्रीय कर्मयोगी सेवा भाव कार्यक्रम मंगळवारी

वर्धा, १३ ऑक्टोबर २०२५ : समाज आणि हितधारकांशी व्यापक स्तरावर जोडले जाण्याच्या उद्देशाने भारत सरकारचा महत्वाकांक्षी प्रकल्प 'राष्ट्रीय कर्मयोगी सेवा भाव कार्यक्रम' अंतर्गत महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात शैक्षणिक व शिक्षकेतर कर्मचाऱ्यांसाठी १४, १६, २९ व ३१ ऑक्टोबर रोजी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित केला जात आहे. या मालिकेतील उद्घाटन समारंभ मंगळवारी, १४ ऑक्टोबर रोजी सकाळी ०९:०० वाजता महादेवी वर्मा सभागृहात विश्वविद्यालयाच्या कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांच्या मार्गदर्शनाखाली पार पडणार आहे.

या प्रशिक्षणामध्ये मुख्य प्रशिक्षक म्हणून साहित्य विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार, सॉफ्टवेयर असोसिएट के.के. त्रिपाठी आणि सहायक संपादक डॉ. अमित कुमार विश्वास प्रशिक्षण देतील. विकसित भारत-२०४७ या ध्येयाच्या दिशेने आयोजित करण्यात आलेल्या या कार्यक्रमात शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचाऱ्यांना समाजाशी संबंधित विविध पैलूंवर प्रशिक्षणदेतील ज्यामुळे ते विकसित भारतासाठी आपले योगदान देऊ शकतील.